भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 2046
गुरुवार, 31 जुलाई, 2025/9 श्रावण, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

डीजीसीए सुरक्षा संपरीक्षा प्रतिवेदन

2046. श्री यूसुफ पठानः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि प्रमुख हवाई अड्डों और एयरलाइनों के नवीनतम डीजीसीए सुरक्षा संपरीक्षा प्रतिवेदन के अनुसार निगरानी के दौरान विमान रखरखाव में बार-बार खामियां पाई गईं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या निगरानी के दौरान यह भी पाया गया कि एक उड़ान सिम्युलेटर विमान के विन्यास से मेल नहीं खा रहा था और पुराना सॉफ्टवेयर चला रहा था और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस पर क्या कार्रवाई की गई; और
(ग) सिम्युलेटर सॉफ्टवेयर को समय पर अद्यतन करने और प्रशिक्षण अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए नियामक तंत्र का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क): नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के पास एक संरचित निगरानी और ऑडिट फ्रेमवर्क मौजूद है अर्थात संगठन/विमानों की नियोजित और अनियोजित निगरानी, जिसमें अनुरक्षण परिपाटियों की नियमित निगरानी सहित सभी प्रचालकों के लिए नियमित एवं आवधिक ऑडिट, स्पॉट चेक, रात्रि निगरानी और रैंप निरीक्षण शामिल हैं।

डीजीसीए ने हाल ही में 05 हवाईअड्डों नामतः दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, पटना और हैदराबाद पर व्यापक सुरक्षा ऑडिट आयोजित किया था। इन निरीक्षणों के दौरान एयरलाइनों को भी कवर किया गया था।

इन निरीक्षणों के दौरान निम्नलिखित क्षेत्रों को कवर किया गया था:-

1. विमान रखरखाव और उड़नयोग्यता
2. रैंप निरीक्षण
3. श्वास विश्लेषक परीक्षण
4. ग्राउंड हैंडलिंग
5. हवाई यातायात प्रबंधन और केबिन संचार, नेविगेशन और निगरानी (सीएनएस) (हवाई नेविगेशन सेवा मानक - एएनएसएस)
6. केबिन सुरक्षा
7. एयरोड्रोम और एयरसाइड प्रचालन

8. राज्य सरकार - नागर विमानन निदेशालय (सीएडी)

इन निरीक्षणों के दौरान दर्ज किए गए निष्कर्षों को आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई करने के लिए संबंधित संगठनों को अग्रेषित किया गया था।

(ख) और (ग): मूल उपकरण विनिर्माता (ओईएम) द्वारा निर्धारित किए जाने के अनुसार सिम्युलेटर सॉफ्टवेयर (लोड अपग्रेड) किया जाता है। बी 787-8 का सॉफ्टवेयर, ओईएम मानकों के अनुसार विमान कॉन्फ़िगरेशन के अनुरूप है। सिमुलेटर में वास्तविक कलपुर्जे नहीं होते हैं और वास्तविक विमान की हैंडलिंग से मिलान करने के लिए डेटा को कृत्रिम रूप से प्रदान किया जाता है और इसलिए चालक दल के प्रशिक्षण पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

सिम्युलेटर मूल्यांकन प्रतिवर्ष किया जाता है और प्रचालक द्वारा भी जाँच की जाती है।

*****